करियर शीट · CAREER SHEET

Caregiver for Persons with Disabilities

दिव्यांग व्यक्तियों की देखभाल करने वाला (नॉन-क्लिनिकल) एक ऐसा सम्मानजनक पेशेवर होता है जो बच्चों, किशोरों और वयस्कों को उनके दैनिक जीवन को गरिमा के साथ जीने में सहायता देता है। वह नहाने-कपड़े पहनने, खाने और आने-जाने (मोबिलिटी)...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6260

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

दिव्यांग व्यक्तियों की देखभाल करने वाला (नॉन-क्लिनिकल) एक ऐसा सम्मानजनक पेशेवर होता है जो बच्चों, किशोरों और वयस्कों को उनके दैनिक जीवन को गरिमा के साथ जीने में सहायता देता है। वह नहाने-कपड़े पहनने, खाने और आने-जाने (मोबिलिटी) में मदद करता है, थेरेपी और व्यायाम में साथ देता है, तथा भावनात्मक सहारा देकर आत्मविश्वास बढ़ाता है। यह चिकित्सा उपचार नहीं बल्कि रोज़मर्रा की जीवनशैली में सहयोग का काम है, जिसमें धैर्य, सहानुभूति और सम्मान सबसे ज़रूरी हैं। बढ़ती जागरूकता और दिव्यांगजन अधिकारों के साथ यह एक स्थिर और अर्थपूर्ण करियर बनता जा रहा है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 4)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	घर/केंद्र पर पूर्णकालिक देखभाल सेवा

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लोगों की सेवा और मदद करने में गहरी रुचि
- दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनते देखने में संतोष
- देखभाल, स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने का उत्साह

क्षमताएँ

- सहानुभूति और दयालु स्वभाव
- धैर्य और शांत मन से काम करना
- शारीरिक रूप से स्वस्थ और सहनशील होना

ज़रूरी कौशल

- आने-जाने में सहायता और सुरक्षित मोबिलिटी सपोर्ट
- नहाने, कपड़े पहनने और खाने जैसे दैनिक कार्यों में सहायता
- स्पष्ट और सम्मानजनक संचार (सांकेतिक भाषा सहित)
- बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन सतर्कता

- भावनात्मक सहारा और मनोबल बढ़ाना
- स्वच्छता, सुरक्षा और सरल रिकॉर्ड रखना
- थेरेपी व व्यायाम में सहयोग और दिनचर्या बनाए रखना

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल के 'जनरल ड्यूटी असिस्टेंट'/'होम हेल्थ एड' या दिव्यांग देखभाल से जुड़े एनएसक्यूएफ लेवल 4 कोर्स में नामांकन करें।
3. बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षित मोबिलिटी सपोर्ट का प्रशिक्षण लें।
4. किसी विशेष विद्यालय, पुनर्वास केंद्र या होम-केयर एजेंसी में व्यावहारिक अनुभव लें।
5. अनुभव के साथ देखभालकर्ता से वरिष्ठ देखभालकर्ता और पर्यवेक्षक तक बढ़ें।
6. राजस्थान में एनआईओएस, आरएसएलडीसी और पीएमकेवीवाई केंद्रों से भी प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता ली जा सकती है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय नेटवर्क (राजस्थान सहित) (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन / निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)
- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) – राष्ट्रीय संस्थान — अखिल भारतीय (NIEPID, NIEPMD आदि) (https://depwd.gov.in/en/national-institutes/)

निजी संस्थान

- नारायण सेवा संस्थान – दिव्यांग सेवा एवं प्रशिक्षण — उदयपुर, राजस्थान (https://www.narayanseva.org/)
- इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी – प्राथमिक चिकित्सा एवं होम केयर प्रशिक्षण — राजस्थान राज्य शाखा, जयपुर (https://indianredcross.org/)

ऑनलाइन

- हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल – जनरल ड्यूटी असिस्टेंट — ऑनलाइन (एनएसडीसी) (https://nsdcindia.org/general-duty-assistant)
- हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल – होम हेल्थ एड — ऑनलाइन (एनएसडीसी) (https://nsdcindia.org/home-health-aide)

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत यह प्रशिक्षण मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। निजी होम-हेल्थ/जीडीए कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–25,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान (दिव्यांगजन कल्याण) (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

दिव्यांगजनों के घर, होम-केयर एजेंसियां, विशेष विद्यालय, पुनर्वास (रिहैब) केंद्र, डे-केयर सेंटर, एनजीओ और अस्पताल।

कार्य-संस्कृति

काम में सहानुभूति, धैर्य और गरिमा सबसे ज़रूरी हैं। अक्सर प्रतिदिन 8–10 घंटे और सप्ताह में 6 दिन काम होता है; कुछ भूमिकाओं में शिफ्ट या रात्रि ड्यूटी भी हो सकती है। यह भावनात्मक रूप से संतोषजनक पर मेहनत वाला काम है।

कौन नौकरी देता है

- होम-केयर व अटेंडेंट सेवा एजेंसियां
- पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) एवं दिव्यांग सेवा केंद्र
- अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डे-केयर सेंटर
- दिव्यांग बच्चों के विशेष विद्यालय एवं समावेशी स्कूल
- दिव्यांगजन सेवा से जुड़े एनजीओ (जैसे नारायण सेवा संस्थान, अमर सेवा संगम)
- वृद्धाश्रम एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राष्ट्रीय संस्थान

माँग (2026)

भारत में दिव्यांगजनों और बुज़ुर्गों की आबादी बढ़ने के साथ-साथ दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के बाद समावेशन और देखभाल के प्रति जागरूकता तेज़ी से बढ़ी है। इससे प्रशिक्षित, संवेदनशील देखभालकर्ताओं की माँग घरों, विशेष विद्यालयों, पुनर्वास केंद्रों और एनजीओ में लगातार बनी हुई है। यह एक स्थिर, सम्मानजनक और अर्थपूर्ण करियर है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. देखभालकर्ता (दिव्यांगजन)

2. वरिष्ठ देखभालकर्ता
3. देखभाल पर्यवेक्षक
4. देखभाल एजेंसी संचालक / केयर कोऑर्डिनेटर

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹18,000–28,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–45,000+/माह

इनडीड के अनुसार भारत में एक देखभालकर्ता (केयरगिवर) की आय लगभग ₹14,000–28,000/माह के बीच होती है। अनुभव के साथ वरिष्ठ देखभालकर्ता, पर्यवेक्षक या केयर कोऑर्डिनेटर बनने पर तथा स्वयं की सेवा एजेंसी शुरू करने पर आय बढ़ जाती है। (यह आय सांकेतिक है और स्थान, नियोक्ता व अनुभव के अनुसार बदल सकती है।)

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- दूसरों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने वाला सम्मानजनक काम
- कम पढ़ाई (10वीं) के बाद भी स्थिर रोज़गार का रास्ता
- अनुभव से पर्यवेक्षक या अपनी केयर एजेंसी तक बढ़ने का अवसर

चुनौतियाँ

- शारीरिक और भावनात्मक रूप से माँग वाला काम
- लंबे घंटे, शिफ्ट या रात्रि ड्यूटी हो सकती है
- शुरुआती स्तर पर वेतन सीमित हो सकता है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

S. Ramakrishnan
संस्थापक-अध्यक्ष, अमर सेवा संगम; पद्म श्री (2020)

1975 में एक दुर्घटना में गर्दन से नीचे का शरीर लकवाग्रस्त हो जाने के बावजूद एस. रामकृष्णन ने हार नहीं मानी। 1981 में उन्होंने तमिलनाडु के अयिकुडी में अमर सेवा संगम की स्थापना की, जो दिव्यांग बच्चों और वयस्कों को नि:शुल्क शिक्षा, पुनर्वास, थेरेपी, देखभाल और व्यावसायिक प्रशिक्षण देता है। आज यह संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में हज़ारों दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बना रही है। 2020 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। उनकी कहानी बताती है कि सेवा, सहानुभूति और धैर्य से दिव्यांगजन देखभाल के क्षेत्र में गरिमामय और प्रेरक जीवन बनाया जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/S._Ramakrishnan_(activist)

Uma Tuli
संस्थापक, अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट; पद्म श्री (2012)

विशेष शिक्षा में प्रशिक्षित डॉ. उमा तुली ने 1981 में दिल्ली में अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की, जो दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पुनर्वास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और खेल-सांस्कृतिक अवसर देता है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई अग्रणी पहल कीं और 2012 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया। उनका जीवन उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, विशेषकर लड़कियों के लिए, जो सहानुभूति और सेवा-भाव के साथ दिव्यांगजन देखभाल में सम्मानजनक करियर बनाना चाहती हैं।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Uma_Tuli

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – दिव्यांग व्यक्ति की देखभाल (नॉन-क्लिनिकल) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%b5%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%96%e0%a4%ad/

2. हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल – होम हेल्थ एड (NSDC) — https://nsdcindia.org/home-health-aide

3. दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) – राष्ट्रीय संस्थान — https://depwd.gov.in/en/national-institutes/

4. इनडीड – केयरगिवर सैलरी (भारत) — https://in.indeed.com/career/caregiver/salaries

5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in